Nai Dunia (Indore), 13th July 2022, Page - 02

आइआइटी इंदौर का शोध, ईबीवी से हो सकता है मस्तिष्क कैंसर

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर के एक शोध में पता लगा है कि कैंसर पैदा करने वाला एपस्टीन बार वायरस (ईबीवी) न्यूरोनल कोशिकाओं को संक्रमित कर सकता है और फैटी एसिड, कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन घटकों जैसे बायो-मालीक्यूल्स में परिवर्तन कर सकता है। इससे केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के साथ मस्तिष्क कैंसर भी हो सकता है। ईबीवी वायरस मानव आबादी में व्यापक रूप से पाया गया है। यह आमतौर पर कोई नुकसान नहीं पहुंचाता है, लेकिन कुछ असामान्य स्थितियों जैसे प्रतिरक्षा विज्ञानी तनाव या प्रतिरक्षा क्षमता में कमी में वायरस शरीर में पुन: सक्रिय हो जाता है। यह आगे चलकर विभिन्न जटिलताओं को जन्म दे सकता है, जिसमें एक प्रकार का रक्त कैंसर, पेट का कैंसर, मल्टीपल स्केलेरोसिस और इसी तरह की बीमारियां शामिल हैं। पहले के अध्ययनों में विभिन्न न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों में ईबीवी की भागीदारी का पता लगा था। हालांकि यह वायरस मस्तिष्क की कोशिकाओं को कैसे प्रभावित करता है और उनमें कैसे हेरफेर कर सकता है, यह पता नहीं चल पाया है।

डा. हेमचंद्र झा

आइआइटी इंदौर। ● फाइल फोटो

- रमन प्रभाव की सहायता से आइआइटी के दल ने किया शोध
- यह शोध एसीएस केमिकल न्यूरो साइंस जर्नल में प्रकाशित हुआ

शोध करने वालों में आइआइटी इंदौर में इंफेक्शन बायो इंजीनियरिंग ग्रुप के डा. हेमचंद्र झा, विद्यार्थी ओमकार इंदारी, श्वेता जखमोला और मीनाक्षी कांडपाल के साथ मटेरियल एंड डिवाइस लेबोरेटरी (भौतिकी विभाग) के प्रो. राजेश कुमार, डा. देवेश के. पाठक व मनुश्री तंवर शामिल हैं। एफआइएससी योजना के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संमर्थित रमन माइक्रोस्पेक्ट्रोस्कोपी तकनीक का इसमें उपयोग किया गया। शोध एसीएस केमिकल न्यूरोसाइंस जर्नल में प्रकाशित हुआ है।